MESSAGE FROM LOK SABHA

The Right of Children to Free and Compulsory Education Bill, 2009

SECRETARY-GENERAL : Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha, signed by the Secretary-General of the Lok Sabha :

"In accordance with the provisions of rule 120 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I am directed to inform you that Lok Sabha, at its sitting held on the 4th August, 2009 agreed without amendment to the Right of Children to Free and Compulsory Education Bill, 2009, which was paassed by Rajya Sabha at its Sitting held on the 20th July, 2009." ....*(Interruptions)*

STATEMENT BY MINISTERS

Status of implementation of recommendations contained in the Two-Hundred and Seventh Report of Department-Related Parliamentary Standing Committee on Human Resource Development

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI KAPIL SIBAL): Sir, I make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the Two-hundred and Seventh Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Human Resource Development. ....*(Interruptions)*

Status of implementation of recommendations contained in the One-hundred and Thirty-seventh report of Department-related Parliamentary Standing Committee on Home Affairs

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI AJAY MAKEN) : Sir, I make a statement regarding status of implementation of recommendations contained in the One-hundred and Thirty-seventh Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Home Affairs.

RE. BIFURCATION OF SGPC

...*(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Calling Attention, Shri Tapan Kumar Sen. ...*(Interruptions)*.. Mr. Ahluwalia, it was agreed....*(Interruptions)*... Please sit down ...*(Interruptions)* Please sit down. ...*(Interruptions)*

श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) : सर, यह राष्ट्र की सबसे पुरानी संस्था को तोड़ने का सवाल है ...**(व्यवधान)**... प्रधान मंत्री जी सदन में आएं, वे हम लोगों को जवाब दें।

श्री उपसभापति : अहलुवालिया जी, आपने ज़ीरो आवर में नोटिस दिया है, tomorrow we will take up this subject...*(Interruptions)*... We have agreed to take up this subject... *(Interruptions)*... Please sit down...*(Interruptions)*... We have agreed...*(Interruptions)*...

श्री एस एस. अहलुवालिया : सर, यह राष्ट्र की सबसे पुरानी संस्था का सवाल है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : We have important subjects ...*(Interruptions)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रधान मंत्री जी सदन में आकर इस बात का जवाब दें...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The House is adjourned till 1.00 p.m.

The House then adjourned at five minutes past twelve of the clock till one of the clock.

The House reassembled at one of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Shri Tapan Kumar Sen to call the attention ...*(Interruptions)*....

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा (पंजाब) : सर ...**(व्यवधान)**... प्रधान मंत्री जी से ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु (कर्णाटक) : सर, एक मिनट। ...**(व्यवधान)**... आप मेरी बात सुनिए। यहां जो issue उठाया गया है, वह एक भावनात्मक विषय भी है और एक important issue भी है। मैं उस issue में नहीं जा रहा हूं। इसके अलावा भी कई लोग हाउस में अपने-अपने issues को discuss करना चाहते हैं। इसलिए मेरा सुझाव यह है कि आप मुद्दा उठाने का मौका दीजिए। उस पर सरकार respond करे, उसके बाद आगे जाएंगे। Otherwise, ये लोग resist करते रहेंगे और उससे कोई समाधान नहीं निकलेगा।

श्री उपसभापति : श्री वेंकैया नायडु जी, यह बात तय हुई थी कि हम इसे कल जीरो ऑवर में लेंगे और इस पर बात उठाने की इजाजत दी जाएगी। क्योंकि आज Call Attention है, जीरो ऑवर नहीं था, इसलिए सुबह में यह बात भी हुई थी कि हम 3 या 5 लोगों को यह मुद्दा उठाने देंगे, उन्होंने इसे accept नहीं किया।...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, ऐसी बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**... आज रेडी हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : सर, आज रेडी हैं। ...**(व्यवधान)**... कल क्योंकि last day है, इसलिए कल यह अच्छा नहीं रहेगा। ...**(व्यवधान)**...

डा. राम प्रकाश (हरियाणा) : सर ...**(व्यवधान)**... मुझे हरियाणा का मुद्दा उठाने का मौका दिया जाए। ...**(व्यवधान)**...

श्री ईश्वर सिंह (हरियाणा) : सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : यह पंजाब हरियाणा का झगड़ा नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सर, यह पंजाब-हरियाणा का झगड़ा नहीं है। ...**(व्यवधान)**... यह राष्ट्र की सबसे पुरानी संस्था SGPC का मसला है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप उठाइए, ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : सर, मेरा सुझाव है कि इसे आप अभी करिए, यह हो जाएगा।...(व्यवधान)... अभी भी करिए।

श्री उपसभापति : आप इसे उठाइए, ...**(व्यवधान)**... देखिए, अब मैं कैसे कहूं कि वह नहीं बोलेंगे। ...**(व्यवधान)**... उनकी बात भी तो है ...**(व्यवधान)**... वे अगर उठाएंगे तो उन्हें भी मौका देना है न?...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, ...**(व्यवधान)**... प्रधान मंत्री जी Leader of the House हैं। ...**(व्यवधान)**... Prime Minister Leader of the House हैं। ...**(व्यवधान)**... सिख हैं ...**(व्यवधान)**... वह बोलें।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : तब मुझे दूसरों को भी मौका देना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : दूसरों को क्या मौका देना पड़ेगा? ...**(व्यवधान)**... यह सिखों का धार्मिक मामला है। इस पर consultation करने की जरूरत नहीं है। ...**(व्यवधान)**... वह तो पार्टी है। ...**(व्यवधान)**... Leader of the House हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : Leader of the House क्यों? Why do you drag the Leader of the House into it? ...*(Interruptions)* Why do you drag the Leader of the House into it? ...*(Interruptions)* आप जाइए न?

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, ...**(व्यवधान)**... यह देश की सबसे पुरानी संस्था है ...**(व्यवधान)**... और उस संस्था को कानून बनाकर तोड़ना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... देश की सबसे पुरानी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी है।...(व्यवधान)...

श्री एम. वेंकैया नायडु : सर, अभी समस्या का समाधान करिए ...**(व्यवधान)**... यह हो जाएगा।...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : उसको तोड़ने की कोशिश हो रही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : समाधान यही होगा कि I can't say that only one party will speak and the other party will not speak...*(Interruptions)* आप वह नही चाह रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... आप बोलिए न? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, ...**(व्यवधान)**... स्पेशल मेशन या जीरो ऑवर में क्या आप disassociate करने वाले को बोलने देते हैं? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : अहलुवालिया जी, यह जीरो ऑवर नही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, यहां पर हमारा एक सवाल है। ...**(व्यवधान)**... हमारा सवाल यह है कि नेता सदन को यहां बुलाइए। यह सदन को एश्योर करें और सदन के माध्यम से पूरे राष्ट्र को ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : हर मामले में नेता सदन कैसे आते है। ...**(व्यवधान)**... Why do you drag the Leader of the House into it? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह राष्ट्र की सबसे पुरानी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को टुकड़े-टुकड़े करने की कोशिश है, उसे वह बंद करेंगे। इसका assurance दे वह। ...**(व्यवधान)**... वह इस बात की assurance दें। ...**(व्यवधान)**...

श्री एम- वेंकैया नायडु : सर, आप इन्हें शांति से बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... यह पांच मिनट में हो जाएगा। ...(व्यवधान)... यह पांच मिनट में हो जाएगा।

श्री उपसभापति : वेंकैया जी, मैं बोलने की इजाजत दूंगा। दूसरों को भी बोलने की इजाजत देनी है न?...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : नही, कैसे देनी है? ...**(व्यवधान)**...

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिम बंगाल) : सर, ...**(व्यवधान)**... इसे आप तय करिए कि अगर ये बोलते हैं, तब सब को मौका मिलेगा? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस अहलुवालिया : क्या आप कभी जीरो ऑवर में या स्पेशल मेंशन में disassociate करने वाले को बोलने देते हैं? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : यह जीरो ऑवर नहीं है ...**(व्यवधान)**... It is not Zero Hour. ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया: क्या आप कभी disassociate करने वाले को बोलने देते हैं?...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : On important issues we have allowed it...*(Interruptions)*

श्री एम. वेंकैया नायडु : सर, ...**(व्यवधान)**... कोई associate करे या disassociate करे ...**(व्यवधान)**... क्या आपने कभी disassociate करने का मौका दिया है ? ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : कभी नहीं दिया आपने ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : यह जीरो ऑवर नहीं है? ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : यह जीरो ऑवर नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : जीरो ऑवर भी हो, तब भी नहीं दिया है। ...**(व्यवधान)**... ऐसे कभी भी नहीं दिया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : हाउस में एक controversy आई। Tension is also unnecessarily, building up. So, one way is the Chair can take an initiative to allow the Member to raise this issue and say what he wants to say and then the Government can respond.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The Chair can definitely take an initiative, but ...*(Interruptions)*. Then I will have to allow ...*(Interruptions)*

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, प्रश्न काल स्थगन का नोटिस दिया। ...**(व्यवधान)**... आपने तब भी नहीं बोलने दिया। ...**(व्यवधान)**... जीरो ऑवर भी बोलने नहीं दिया। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : जीरो ऑवर नहीं है न? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : जीरो ऑवर भी बोलने नहीं देंगे, ...(व्यवधान)... तब कैसे यह होगा? ...**(व्यवधान)**... आप बोलते हैं कि हमने मांगा नहीं। ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : लोक सभा में अलाऊ किया है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : लोक सभा में अलाऊ किया है ...**(व्यवधान)**... हम भी अलाऊ करना चाहते हैं न? ...**(व्यवधान)**...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : Leader of the House है। ...**(व्यवधान)**... उन्हें बुलाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**... आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**... आप बोलिए न? ...**(व्यवधान)**...

श्री एम. वेंकैया नायडु : वहां कांग्रेस वाला कोई नहीं बोला?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I do not know that. It is independent of. ..*(Interruptions)* आप बैठिए, प्लीज बैठिए। मिस्टर तरलोचन सिंह, आप बैठिए।

डा. राम प्रकाश : सर, हमें बोलने दीजिए।

श्री उपसभापति : आप बैठिए।

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Alleged Bifurcation of Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee